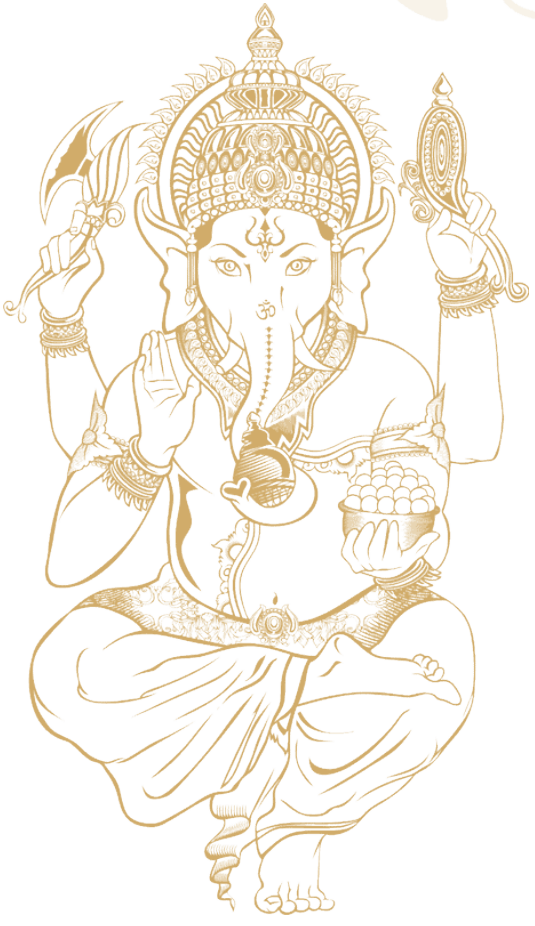

Pankaj sahu

Durga Sahu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121005103

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
12-13/01/1996 :	जन्म तिथि	: 2-03/08/1996
शुक्र-शनिवार :	दिन	: शुक्र-शनिवार
घंटे 06:15:00 :	जन्म समय	: 05:15:00 घंटे
घटी 58:49:22 :	जन्म समय(घटी)	: 59:04:36 घटी
India :	देश	: India
Raipur :	स्थान	: Raipur
21:16:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:16:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व :	रेखांश	: 81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:43:15 :	सूर्योदय	: 05:37:09
17:39:23 :	सूर्यास्त	: 18:41:18
23:48:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:38

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 9मा 9दि		20:21:54	धनु	लग्न	कर्क	11:19:20	शनि 14वर्ष 4मा 10दि	
गुरु		28:17:46	धनु	सूर्य	कर्क	17:07:01	बुध	
22/10/2024		18:17:55	कन्या	चंद्र	मीन	06:35:15	14/12/2010	
22/10/2040		09:46:55	मक	मंगल	मिथु	11:41:47	14/12/2027	
गुरु	10/12/2026	10:24:56	मक व	बुध	सिंह	08:16:47	बुध	11/05/2013
शनि	23/06/2029	08:22:29	धनु	गुरु व	धनु	15:31:54	केतु	09/05/2014
बुध	29/09/2031	03:33:55	कुंभ	शुक्र	मिथु	02:42:31	शुक्र	08/03/2017
केतु	03/09/2032	26:30:09	कुंभ	शनि व	मीन	13:23:52	सूर्य	13/01/2018
शुक्र	05/05/2035	27:46:42	कन्या व	राहु व	कन्या	15:52:30	चन्द्र	14/06/2019
सूर्य	22/02/2036	27:46:42	मीन व	केतु व	मीन	15:52:30	मंगल	11/06/2020
चन्द्र	23/06/2037	06:14:20	मक	हर्ष व	मक	08:26:57	राहु	29/12/2022
मंगल	30/05/2038	01:19:35	मक	नेप व	मक	02:08:51	गुरु	05/04/2025
राहु	22/10/2040	08:31:07	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:32:21	शनि	14/12/2027

लग्न-चलित

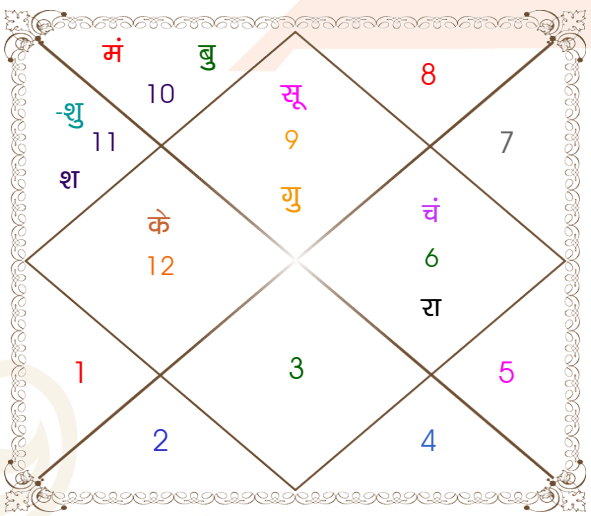

लग्न-चलित

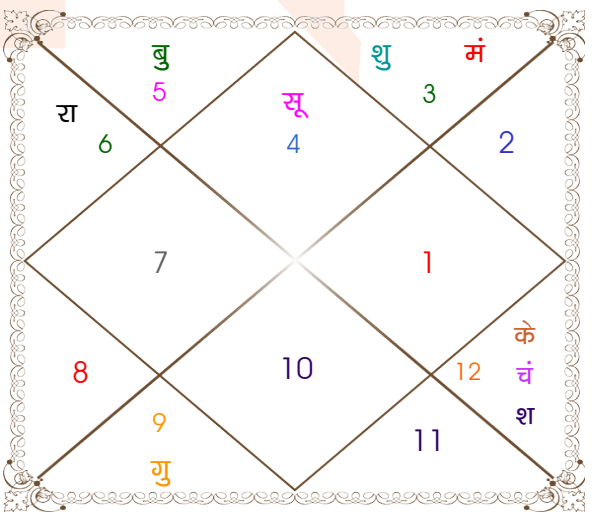

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

च्ंदारंॅीन का वर्ग श्वान है तथा क्नतहॅीन का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्ंदारंॅीन और क्नतहॅीन का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्ंदारंॅीन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

क्नतहॅीन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्नतहॅीन कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्ंदारंॅीन कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्ंदांरैीन तथा क्नतहैीन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com